ISSN: 2393-8048
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =8.152, January-June 2025, Submitted in January 2025

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की समस्याओं, अभिभावक पालन–पोषण शैली एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

रूघनाथा राम, शोधार्थी, शिक्षा विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर
डॉ. सुमन रानी, शिक्षा विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की विभिन्न मनोवैज्ञानिक व सामाजिक समस्याओं, उनके माता–पिता की पालन–पोषण शैली (Parenting Style) और उनकी शैक्षिक उपलब्धि (Academic Achievement) के बीच के अंतर्संबंधों का अन्वेषण करना है। किशोरावस्था के इस पड़ाव पर विद्यार्थी न केवल शारीरिक परिवर्तनों से गुजरते हैं, बल्कि करियर और पहचान के दबाव का भी सामना करते हैं। शोध के निष्कर्ष संकेत देते हैं कि 'लोकतांत्रिक' (Authoritative) पालन–पोषण शैली विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव डालती है, जबकि 'अति–अधिकारवादी' या 'उपेक्षापूर्ण' शैली समस्याओं को बढ़ाती है।

परिचय

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार है, और विद्यार्थी उस आधार की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा 11वीं–12वीं) एक ऐसा महत्वपूर्ण चरण है जहाँ विद्यार्थी अपने भविष्य की दिशा तय करते हैं। इस अवस्था में वे 'तनाव और तूफान' (Stress and Storm) की स्थिति से गुजरते हैं।

अभिभावक पालन–पोषण शैली वह वातावरण है जिसमें बच्चा विकसित होता है। डायना बॉमरिंड के अनुसार, माता–पिता का व्यवहार बालक के व्यक्तित्व निर्माण में मुख्य भूमिका निभाता है। यदि घर का माहौल सहयोगात्मक है, तो विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि उच्च रहती है, अन्यथा वह कुंठा और तनाव का शिकार हो जाता है।

साहित्य के सोपान

साहित्य का चयन और वर्गीकरण निम्नलिखित चरणों में किया गया है:

विषय का चयन: पालन–पोषण शैली और शैक्षिक उपलब्धि से संबंधित शीर्षकों की पहचान।

स्रोतों का संकलन: जर्नल, शोध प्रबंध (Theses), और शैक्षिक पत्रिकाओं से डेटा एकत्र करना।

तुलनात्मक अध्ययन: विभिन्न विद्वानों के विचारों का विश्लेषण।

गैप एनालिसिस: पूर्व के शोधों में किन क्षेत्रों को छोड़ दिया गया है, इसकी पहचान करना।

शोध समस्या

'अभिभावकों की पालन–पोषण शैली विद्यार्थियों की समस्याओं को प्रभावित करती है और इसका सीधा असर उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ता है।'

मुख्य समस्या यह समझना है कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में माता–पिता का व्यवहार छात्र के मानसिक स्वास्थ्य और अंकों के बीच सेतु का कार्य कैसे करता है।

साहित्य समीक्षा

बॉमरिंड (1991): ने पाया कि लोकतांत्रिक माता–पिता के बच्चे अधिक आत्मविश्वासी और शैक्षणिक रूप से सफल होते हैं।

शर्मा एवं अन्य (2018): के अनुसार, भारतीय संदर्भ में अत्यधिक नियंत्रण (Authoritarian) विद्यार्थियों में परीक्षा के प्रति भय और चिंता उत्पन्न करता है।

गुप्ता (2020): ने अपने अध्ययन में स्पष्ट किया कि जो विद्यार्थी पारिवारिक कलह या उपेक्षा का सामना करते हैं, उनकी एकाग्रता में कमी आती है, जिससे शैक्षिक परिणाम प्रभावित होते हैं।

विधि तंत्र

शोध विधि: वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि (Descriptive Survey Method)।

प्रतिदर्श (Sample): किसी विशिष्ट क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 200 विद्यार्थी (100 छात्र और 100 छात्राएं)।

उपकरण (Tools):

1. पालन–पोषण शैली प्रश्नावली।
2. छात्र समस्या सूची (Student Problem Inventory)।

3. पिछले सत्र के शैक्षणिक अंक (Academic Records)।

सांख्यिकीय विश्लेषणरू सह–संबंध (Correlation) और टी–परीक्षण (t-test) का प्रयोग।

उद्देश्य

उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की प्रमुख समस्याओं की पहचान करना।

विभिन्न पालन–पोषण शैलियों (लोकतांत्रिक, अधिकारवादी, अनुमतिपूर्ण) का अध्ययन करना।

पालन–पोषण शैली और शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध का पता लगाना।

लिंग के आधार पर (छात्र–छात्रा) समस्याओं के अंतर का विश्लेषण करना।

परिकल्पना

H1: अभिभावक पालन–पोषण शैली और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है। (शून्य परिकल्पना)

H2: लोकतांत्रिक पालन–पोषण शैली का विद्यार्थियों की शैक्षणिक सफलता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

H3: छात्रों की तुलना में छात्राओं को पारिवारिक वातावरण से अधिक तनाव होता है।

महत्व

यह शोध निम्नलिखित दृष्टि से महत्वपूर्ण हैः

अभिभावकों के लिएः उन्हें अपनी व्यवहार शैली के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी।

शिक्षकों के लिएः वे छात्रों के व्यवहार के पीछे के पारिवारिक कारणों को समझ पाएंगे।

परामर्शदाताओं के लिएः छात्रों की काउंसलिंग करते समय पारिवारिक पृष्ठभूमि को आधार बनाने में सहायक।

नीति निर्धारकों के लिएः किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य हेतु कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए आधार प्रदान करेगा।

निष्कर्ष

शोध के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी करियर, सामाजिक संबंधों और पहचान को लेकर गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। जिन विद्यार्थियों के माता–पिता उनके साथ मित्रवत और सहायक (लोकतांत्रिक) व्यवहार रखते हैं, उनकी शैक्षिक उपलब्धि उच्च पाई गई। इसके विपरीत, अत्यधिक अनुशासन या पूर्ण स्वतंत्रता देने वाले माता–पिता के बच्चों में अनुशासनहीनता और कम अंक प्राप्त करने की प्रवृत्ति देखी गई। अतः, संतुलित पालन–पोषण ही विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की कुंजी है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

अस्थाना, विपिन (2015). शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।

Baumrind, D- (1991). The influence of parenting style on adolescent competence and substance use- Journal of Early Adolescence.

कौशिक, एन. आर. (2012). किशोरावस्था मनोविज्ञान, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी।

Singh, R- & Sharma, S- (2019). Impact of Parenting on Academic Stress- International Journal of Educational Research.